ਜੈ ਗੁਰੂਦੇਵ !

धनारसी भगत रविदास जी की
१ओ सतिगुर प्रसादि ॥

ਧੰਨ ਗੁਰੂਦੇਵ !

आरती

नामु तेरो आरती मजनु मुरारे ॥
हरि के नाम बिनु झूठे सगल पासारे ॥१ ॥ रहाउ ॥
नामु तेरो आसनो नामु तेरो उरसा
नामु तेरा केसरो ले छिटकारे ॥
नामु तेरा अंभुला नामु तेरो चंदनो
घसि जपे नामु ले तुझहि कउ चारे ॥१ ॥
नामु तेरा दीवा नामु तेरो बाती
नामु तेरो तेलु ले माहि पसारे ॥
नाम तेरे की जोति लगाई भइओ
उजिआरो भवन सगलारे ॥२ ॥
नामु तेरो तागा नामु फूल माला
भार अठारह सगल जूठारे ॥
तेरो कीआ तुझहि किआ अरपउ
नामु तेरा तूही चवर ढोलारे ॥३ ॥
दस अठा अठसठे चारे खाणी
इहै वरतणि है सगल संसारे ॥
कहै रविदासु नामु तेरो आरती
सतिनामु है हरि भोग तुहारे ॥४ ॥३ ॥

(श्री गुरु ग्रंथ साहिब पन्ना 694)

Binpalke # 78141-42944

विशेष सन्मान

ਵੱਲੋਂ DR. SUNITA SAWARKAR MAHARASHTRA